वट वृक्ष – 2

उत्तर पुस्तिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

1 खिलौनेवाला

(अभ्यास-उत्तर)

Page-8 (मौखिक)

(क) हम गेंद, छोटी-सी मोटरगाड़ी और तलवार खरीदना चाहते हैं।

(ख) हम सबसे ज़्यादा गेंद से खेलते हैं।

(ग) हम घर में अपने छोटे भाई-बहनों के साथ खेलते हैं।

(लेखनी)

1. (क) खिलौनेवाला पिंजरे में बंद तोता, एक पैसे वाली गेंद, छोटी-सी मोटरगाड़ी, तलवार तथा तीर-कमान लेकर आया था।

   (ख) बच्चा अपनी माँ से तलवार या तीर-कमान लेने को कह रहा है।

   (ग) बच्चा असुरों को मारकर रामचंद्र बनना चाहता है।

Page-9

2. मैं तो तलवार खरीदूँगा माँ
   या मैं लूँगा तीर-कमान
   जंगल में जा, किसी ताड़का
   को मारूँगा राम समान।
3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1.

खिलौनेवाला	आया
लाया	हरा
तोता	तलवार
कमान	ताड़का
आज	वाली
गाड़ी	राम
समान	मार
जा	नाना
काज	मार
आना	काना

2. विद्यार्थी स्वयं करें।
3. (क) मीठा-मीठा – अत्यधिक मीठा

   (ख) रंग-बिरंगी – बहुत से रंगों वाली

   (ग) बार-बार – अनेक बार

   (घ) माता-पिता – माता और पिता

Page-10

(मन की बात)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. तीर-कमान का प्रयोग करके रामचंद्र की तरह बनना चाहेंगे।

(हँसते-गाते)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2 पाँच बंदर

(अभ्यास-उत्तर)

Page-14 (मौखिक)

(क) बंदर एक वन में रहते थे।

(ख) बंदरों में गहरी दोस्ती थी। वे पाँचों बंदर साथ-साथ खाते-पीते और खेलते थे।

(ग) बंदर घूमते-घूमते रास्ता भटक गए और वे शहर में जा पहुँचे।

(घ) बंदर गिनती गिनते समय स्वयं को नहीं गिन रहे थे। उन्हें लगता था कि शहर में उनका साथी खो गया है। इसलिए वे रो रहे थे।

(ङ) बंदरों की गिनती करने में मानव ने मदद की।

Page-15

(लेखनी)

1. (क) पाँचों बंदर एक दिन घूमते-घूमते रास्ता भटक गए और वे शहर में जा पहुँचे।

   (ख) ऊँची इमारतों को देखकर बंदरों ने कहा कि मानव ने तरक्की कर ली।

   (ग) बंदर ने इमारतें गिनते गिनते सोचा कि हम सब जितने आए थे, उतने ही हैं या कहीं कोई हमारा साथी खो तो नहीं गया।

   (घ) बंदरों की गिनती गलत इसलिए आ रही थी क्योंकि वे जब गिनती कर रहे थे तो स्वयं को गिनते नहीं थे। अतः मानव ने उनकी भूल बताई।

2. (क) ब (ख) स
   (ग) अ (घ) स
   (ङ) ब

Page-16

3. क. (iii) ख. (iv)
   ग. (i) घ. (v)
   ङ. (ii)

4. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

जानवरों का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व होता है। हमें कभी जानवरों को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए क्योंकि वे सभी हमारे मित्र हैं। हमें जानवरों के साथ प्रेम-भाव रखना चाहिए। हमें जानवरों की देखभाल करने के साथ-साथ उनको समय से दाना-पानी देना चाहिए। हमें समय-समय पर उनकी सफ़ाई के प्रति भी ध्यान देना चाहिए।

(भाषा-ज्ञान)

1. चिड़िया – चीं-चीं
   कुत्ता – भौं-भौं
   बिल्ली – म्याऊँ-म्याऊँ
   बकरी – में-में

Page-17

2. (क) वृक्ष, गृह
   (ख) कौआ, खिलौना
   (ग) केला, मेला
   (घ) मोर, डोर
   (ङ) पैर, सैर

3. (क) एक वन में पाँच बंदर रहते थे।
(ख) बंदर वन में साथ-साथ रहते थे।
(ग) बंदर नकल करने में माहिर होते हैं।
(घ) शहर में ऊँची-ऊँची इमारतें थीं।
(ङ) शहर में आदमी ने बहुत तरक्की कर ली है।

4. (क) अनेक (ख) एक
(ग) अनेक (घ) अनेक
(ङ) एक (च) एक

(मन की बात)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

3 बया से

(अभ्यास-उत्तर)

Page-19 (मौखिक)

(क) कवयित्री ने बया को चिड़िया रानी कहा है।
(ख) खेतों से बया दाना लेकर आती है।
(ग) बया नदियों से पानी भरकर लाती है।

(लेखनी)

1. (क) बया ऊँची डालों पर अपना घोंसला लटकाती है।
(ख) बया अपना महल तिनकों से बनाती है।
(ग) कवयित्री ने बया के बच्चों की निगरानी करने की बात कही है।

2. (क) ✗ (ख) ✓
(ग) ✗ (घ) ✗

Page-20

3. बया हमारी चिड़िया रानी!
तिनके लाकर महल बनाती,
ऊँची डालों पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती,
नदियों से भर लाती पानी।
तुमको दूर न जाने देंगे,
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे
हम मीठा-मीठा पानी।

4. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

बया तिनके लाकर अपना घर बनाती है। वह खेतों से दाना तथा नदियों से पानी भरकर लाती है। वह अपने अंडों को सेती है तथा अंडों में से नन्हे-नन्हे बच्चे निकलने के बाद उनकी निगरानी करती है। हमें बया से यह शिक्षा मिलती है कि जिस प्रकार बया अपने सभी कार्य स्वयं करती है उसी प्रकार हमें भी अपने कार्य स्वयं करने चाहिए।

Page-21

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) दानों से आँगन भर देंगे
(ख) तिनके लाकर महल बनाती
(ग) फिर जब उनके पर निकलेंगे
(घ) बया हमारी चिड़िया रानी

2. (क) फ्रॉक (ख) बारहसिंगा
(ग) शेर (घ) कमल
(ङ) कुरसी

3. (क) चिड़ा (ख) साँपिन
(ग) चुहिया (घ) बंदरिया
(ङ) हथिनी (च) चींटा

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(ज्ञान गंगा)

विद्यार्थी स्वयं करें।

4 रंग-बिरंगी नाव

(अभ्यास-उत्तर)

Page-24 (मौखिक)

(क) विशु ने रंग-बिरंगी नाव पानी में चलाई।
(ख) मनोरंजन की चीज़ें उपयोगी होती हैं।
(ग) काम की चीज़ें मनोरंजक होती हैं।

(लेखनी)

1. (क) विशु की मम्मी ने उसे कागज़ की नाव बनाना सिखाया।
(ख) विशु ने नीले रंग की नाव बनाई।
(ग) कागज़ की नाव में बैठने से नाव ही पानी में डूब जाएगी।
(घ) विशु ने रंग-बिरंगी नावों को पानी में चलाकर अपना मनोरंजन किया।

Page-25

2. (क) नाव (ख) कागज़
(ग) उपयोगी (घ) रंग-बिरंगी कागज़

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. (क) शेर (ख) धोबी
(ग) मोर (घ) चाचा

Page-26

3. (ख) ब + गी + चा
(ग) म + नो + रं + ज + न
(घ) उ + प + यो + गी
(ङ) का + ग + ज़

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-27

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(खेल-खेल में)

विद्यार्थी स्वयं करें।

5 आलू का चमत्कार

(अभ्यास-उत्तर)

Page-32 (मौखिक)

(क) भोलू और गोलू दो आलू थे।

(ख) टमाटर को दबने से इसलिए बचाना पड़ता है क्योंकि वह पिचक जाता है।

(ग) रसोईघर की टोकरी में भोलू और गोलू को इस बात का दुख था कि उन्हें छोटी-सी टोकरी में दब-पिचककर बैठना पड़ता था। टमाटर की परवाह सभी करते हैं लेकिन भोलू और गोलू की किसी को कोई परवाह नहीं थी।

(घ) फ्रिज के नीचे गोलू चला गया।

(लेखनी)

1. (क) भोलू और गोलू गोल-मटोल सुनहरे और सुंदर आलू थे।

(ख) भोलू और गोलू को सब्ज़ी-मंडी में रहना इसलिए अच्छा लगता था, क्योंकि वे इधर-उधर लुढ़कते रहते थे और बाज़ार की रौनक देखकर खुश रहते थे।

(ग) कामवाली ने गोलू के टुकड़े किए और हर फोड़े हुए भाग को मिट्टी में बो दिया।

(घ) गोलू के शरीर पर पड़े फोड़े वास्तव में अंकुर थे।

(ङ) ढेर सारे आलू देखकर सब इसे गोलू का चमत्कार मान रहे थे।

Page-33

2. (क) गोल-मटोल (ख) बाज़ार
(ग) नोकें (घ) अंकुर
(ङ) पौधे

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

हमारे लिए मित्रों के साथ रहना उस समय अति महत्त्वपूर्ण होता है जब वे हमारे संकट की घड़ी में दुख-सुख के साथ होते हैं, समय-समय पर सही सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करते हैं। जब तक वे स्वार्थी नहीं होते। हम उनसे बिछुड़ने की कल्पना भी नहीं कर सकते। यदि किसी कारणवश बिछुड़ जाए तो जीवन व्यर्थ लगता है।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) पैसे (ख) आँखें
(ग) बोतलें (घ) मालाएँ
(ङ) मक्खियाँ

Page-34

2. (क) सब्ज़ीवाली (ख) मालिक
(ग) नौकरानी (घ) लड़की
(ङ) बेटी

3. (ख) फ्रिज, टोकरी
(ग) मालकिन
(घ) भिंडी, मिर्ची
(ङ) घर, बाई, गोलू

(मन की बात)

सब्ज़ियों का हमारे स्वस्थ जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। सब्ज़ियों के नियमित सेवन से हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। सब्ज़ियों के उचित सेवन से हमारी पाचन शक्ति बढ़ती है। सब्ज़ियों से हमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन तथा खनिज मिलते हैं जो हमारे शरीर के लिए लाभदायक है।

Page-35

(हँसते-गाते)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।

6 ऐसे मनाया मदर्स डे

(अभ्यास-उत्तर)

Page-38 (मौखिक)

(क) रिया ने अपनी मम्मी के लिए मदर्स डे का कार्ड बनाया था।

(ख) रिया ने पार्टी में लाल रंग की फ्रॉक पहनी थी।

(ग) पार्टी में बाहर से सैंडविच, पकौड़े, समोसे, जलेबी आदि मँगवाए थे।

(लेखनी)

1. (क) रिया और हिमांशु का माँ के लिए सरप्राइज़ प्लान था कि उन्हें तथा उनकी सहेलियों को मदर्स डे विश करना था। इसके लिए उन्होंने शाम की पार्टी रखी थी।

(ख) सभी बच्चों ने सैंडविच, पकौड़े, समोसे, जलेबी खाई तथा गेम खेले।

(ग) सभी बच्चों ने अपनी-अपनी मम्मी को मदर्स डे विश किया तथा उनकी पसंद के गाने गाए।

(घ) सबके चेहरों पर संतोष इसलिए था क्योंकि रिया और हिमांशु के माता-पिता बच्चों के इस आश्चर्यजनक उपहार से बहुत खुश थे।

Page-39

2. (क) हिमांशु ने रिया से कहा।

(ख) पिताजी ने रिया, हिमांशु और अपनी पत्नी से कहा।

(ग) रिया ने पिताजी से कहा।

3. (क) ✗ (ख) ✓
(ग) ✓ (घ) ✓

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1.

मदर्स डे	प्लान
फ्रॉक	सैंडविच
कार्ड	पार्टी
विश	गेम

Page-40

2. (क) यह, मेरी (ख) आप, क्या
   (ग) तुम्हारा, कहाँ
   (घ) मैं
3. (क) रिया, हिमांशु
   (ख) कार्ड, फ्रॉक
4. (क) लड़कियाँ
   (ख) सहेलियाँ
   (ग) तालियाँ
   (घ) टिकियाँ
   (ङ) चिड़ियाँ

Page-41

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

7 बरखा

(अभ्यास-उत्तर)

Page-43 (मौखिक)

(क) बरखा हमें मन की खुशी देती है।
(ख) लोगों के मन को बरखा हर्षाती है।
(ग) बरखा का पानी छम-छम-छम की आवाज़ करता है।

(लेखनी)

1. (क) मेढक बरखा होने पर टर्र-टर्र का शोर मचाता है।
   (ख) बच्चे बरखा आने पर अपने-अपने घरों से बाहर निकल जाते हैं तथा कागज़ की नाव बनाकर उन्हें बारिश के पानी में तैराते हैं।
   (ग) इंद्रधनुष के रंगों को निराला बताया गया है क्योंकि वे मन को हर लेते हैं।
   (घ) प्रस्तुत कविता वर्षा ऋतु पर आधारित है।

Page-44

2. (क) ✓ (ख) ✓
   (ग) ✓ (घ) ✗
3. (क) शोर (ख) नाव, छतरियाँ
   (ग) इंद्रधनुष (घ) ऋतुओं
4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) बरखा अत्यधिक गरमी से राहत दिलाती है।
   (ख) छोटे बच्चे कागज़ की नाव बनाकर बारिश के पानी में तैराते हैं।
   (घ) मोर के पंख अत्यधिक आकर्षक होते हैं।
   (ङ) शीत ऋतु के समय भारत में ठंड बढ़ जाती है।

Page-45

2. (क) मीठा (ख) खट्टा
   (ग) काले (घ) तीन

(ङ) बड़ा (च) लाल

3. (क) नाचना (ख) खाना

(ग) पढ़ना (घ) खेलना

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-46

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 मकड़ी का परिश्रम

(अभ्यास-उत्तर)

Page-49 (मौखिक)

(क) मुंबई

(ख) क्योंकि उसके पापा मुंबई गए हुए थे।

(ग) मकड़ी का जाला।

(घ) क्योंकि उसे इस कार्य में मज़ा आ रहा था।

Page-50 (लेखनी)

1. (क) विराट को जाले को देखकर एक खेल सूझा।

(ख) मकड़ी एक साल में लगभग 2,000 कीड़े खा जाती है।

(ग) मकड़ियों के पैरों पर छोटे-छोटे बाल होते हैं, जिनकी मदद से ये अपने भोजन की खुशबू महसूस कर पाती हैं और इस प्रकार ये अपने खाने को ढूँढ़ पाती हैं।

(घ) प्रस्तुत कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें भी मकड़ियों की तरह परिश्रम करते रहना चाहिए और जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में कभी असफलता आए तो उससे निराश नहीं होना चाहिए अपितु उसका डटकर सामना करना चाहिए।

(ङ) विराट ने देखने, सुनने, सूँघने, छूने और चखने की शक्तियों के बारे में बताया।

2. (क) ब (ख) स

(ग) स

Page-51

	किसने	किससे
3. (क)	"मकड़ी बहुत मेहनती होती है।"	पापा ने विराट से
(ख)	"मकड़ियों में भी अनुशासन होता है।"	माता-पिता ने नेहा और विराट से
(ग)	"क्या मकड़ी खाना भी खाती है?"	विराट ने पापा से
(घ)	"कौन-सी शक्तियों की बात कर रहे हो, तुम?"	नेहा ने विराट से

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

(क) हाँ (ख) हाँ

(ग) नहीं (घ) हाँ

(ङ) नहीं

Page-52

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) धरा, भूमि (ख) पुत्र, सुत

(ग) दोस्त, सखा (घ) दिवस, वार

(ङ) माँ, माता

2. (क) आशावान (ख) आलसी
(ग) बदबू (घ) बड़ा
(ङ) ज़्यादा (च) असफलता

3. क. (iv) ख. (v)
ग. (i) घ. (ii)
ङ. (iii)

Page-53

4. (क) मकड़ी बहुत मेहनती होती है।
(ख) विद्यार्थियों को सदैव अनुशासन बनाए रखना चाहिए।
(ग) मुंबई को फ़िल्मों की महानगरी कहा जाता है।
(घ) दीवार पर मकड़ी के कई जाले बने हुए थे।

5. (क) छोटा (ख) सुंदर
(ग) पतली (घ) काली

Page-54

(मन की बात)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) पृथ्वी पर जनसंख्या की बात करें, तो मकड़ियाँ सातवें नंबर पर आती हैं।
(ख) कुछ मकड़ियों की उम्र 1 साल जबकि कुछ की उम्र 20 साल तक होती है।
(ग) मकड़ियों की 46,000 से ज़्यादा प्रजातियों की खोज हो चुकी है, इनमें से केवल एक प्रजाति ही शाकाहारी है।
(घ) आपके घर में जितनी मकड़ियाँ हैं उनमें से 95% ने तो बाहरी दुनिया देखी ही नहीं।
(ङ) ऐसा माना जाता है, कि कोई इनसान मकड़ी से 10 फीट से ज़्यादा दूर नहीं जा सकता।
(च) मकड़ियों को ज़्यादा दूर का नहीं दिखता। कुछ प्रजातियाँ वह प्रकाश भी देख सकती हैं जो मनुष्य भी नहीं देख सकता।
(छ) मकड़ियों के पास ऐसी ग्रंथियाँ होती हैं जो रेशम बनाती हैं। ये कुल सात तरह के रेशम का उत्पादन कर सकती हैं।
(ज) मकड़ियाँ पानी पर चल सकती हैं और उसके अंदर साँस भी ले सकती हैं।
(झ) मकड़ियाँ चींटियों से डरती हैं क्योंकि इनमें फॉर्मिक एसिड पाया जाता है।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 तुलसी के गुण

(अभ्यास-उत्तर)

Page-59 (मौखिक)

(क) दादी ने तुलसी का पौधा लगाया था।
(ख) हम सबका ध्यान तुलसी रखती है।
(ग) हाँ, तुलसी सच में गुणकारी है।
(घ) हाँ, सभी पेड़-पौधे उपयोगी होते हैं।

Page-60

(लेखनी)

1. (क) रीना की नानी चाय में तुलसी के पत्ते डालकर पीती थीं।
   (ख) मुँह से दुर्गंध आए तो तुलसी के 4-5 पत्ते मुँह में रखने से दुर्गंध दूर हो जाती है।
   (ग) दादी तुलसी का पौधा इसलिए लगा रही थीं क्योंकि हमारे जीवन में इसका बहुत महत्त्व है।
   (घ) तुलसी के पत्ते बुखार, कफ, गले में खराश, अस्थमा एवं हृदय-रोग में लाभदायक होते हैं।
   (ङ) तुलसी हमारे लिए निम्न प्रकार से उपयोगी है–
   i. मुँह में छाले होने या दुर्गंध आने पर तुलसी के पत्ते मुँह में रखने चाहिए।
   ii. अधिकतर लोग तुलसी के पौधे को घर में पूजा करने के उद्देश्य से लगाते हैं।
   iii. दाद, खुजली या त्वचा में इन्फेक्शन होने पर इसके अर्क को लगाने से फायदा पहुँचता है।
2. (क) ✓ (ख) ✓
   (ग) ✗ (घ) ✓
   (ङ) ✓

Page-61

3. (क) ध्यान (ख) दुर्गंध
   (ग) शुद्ध (घ) लाभदायक
4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-62

(भाषा-ज्ञान)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. (क) चिड़ियाँ (ख) पौधे
   (ग) नदियाँ (घ) पत्तों
   (ङ) महिलाएँ

Page-63

3. (क) ध्+अ+न्+अ+व्+आ+न्+अ
   (ख) स्+अ+म्+अ+य्+अ
   (ग) प्+आ+व्+अ+न्+अ
   (घ) व्+आ+ह्+अ+न्+अ
   (ङ) आ+प्+अ+स्+अ

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-64

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

10 चंचल तितली

(अभ्यास-उत्तर)

Page-66 (मौखिक)

(क) प्रस्तुत कविता चंचल तितली पर आधारित है।
(ख) तितली सबके मन को हर लेती है।
(ग) तितलियाँ फूलों का मीठा रस पीती हैं।

(घ) हर बच्चा तितली के पीछे दौड़ लगाता है।

Page-66 to 67

(लेखनी)

1. (क) तितली चंचल है। वह हरदम दौड़ लगाती रहती है और मस्ती में डूबी रहती है।

(ख) तितली सुंदर है। वह सबके मन को अकर्षित करती है। वह फूल-फल पर मँडराकर उनका रस पीती है। वह कभी-कभी मँडराते हुए दिखती है, तो कभी-कभी छिप जाती है। वह देखने में सुंदर होती है। हरदम मस्ती में डूबी रहती है। वह हमेशा दौड़ लगाती रहती है।

(ग) तितली को जादूगरनी इसलिए कहा गया है, क्योंकि वह सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। हर बच्चा उसे पकड़ने के लिए मतवाला होकर दौड़ लगाता है।

(घ) यदि हम तितली होते, तो हमारे सुंदर पंख होते। तितली के समान फूलों पर मँडराते और आसमान का चक्कर लगाते।

2. (क) दिखती हो, फिर छिप जाती
हरदम दौड़ लगाती रहती।
रहती हो, मस्ती में डूबी
यही तो है तुम्हारी खूबी।

(ख) पीछे-पीछे दौड़ लगाता
हर बच्चा मतवाला।
तितली है या जादूगरनी
कैसा जादू डाला।

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

प्रस्तुत कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि तितली की सुंदरता और चंचलता सबके मन को आकर्षित करती है। उपवन में उनका फूलों पर मँडराते हुए, रस पीने का दृश्य मनोहर लगता है। बच्चे तितली के सुंदर पंख को देखकर पकड़ने के लिए दौड़ते हैं। वे तितली को पकड़कर मार देते हैं। अतः उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए प्रकृति की सुंदरता उनसे ही है।

Page-68

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) तुम्हारे (ख) तुम्हारे
(ग) उसके (घ) मैं
(ङ) उसकी

(वाक्य बनाइए)

2. (क) तितली के पंख सुंदर होते हैं।
(ख) बच्चों का मन चंचल होता है।
(ग) बच्चे मस्ती में झूम रहे हैं।
(घ) रानी सुंदर बालिका है।

3. (क) आकाश, नभ
(ख) बाल, बालक
(ग) पुष्प, सुमन

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-69

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

11 गुरुदक्षिणा

(अभ्यास-उत्तर)

(अभ्यास-उत्तर)

Page-71 (मौखिक)

(क) शिष्य ने गुरु जी को लौंग भेंट दी।
(ख) शिष्य के पास धन-दौलत नहीं था।
(ग) गुरुदेव शिष्य की बात सुनकर प्रसन्न हो जाते हैं।

Page-72

(लेखनी)

1. (क) शिष्य की शिक्षा समाप्त हो चुकी थी इसलिए वह अपने गुरु को गुरु दक्षिणा देने पहुँचा, क्योंकि बिना दक्षिणा के शिक्षा पूरी नहीं होती।
(ख) गुरु ने धन-दौलत के विषय में शिष्य को बताया कि धन-दौलत किसी के पास हमेशा नहीं रहती। केवल शिक्षा ही व्यक्ति के पास जीवन भर रहती है। इसलिए शिक्षा ही सच्ची धन-दौलत है।
(ग) गुरु ने गुरुदक्षिणा में अपने शिष्य से माँगा कि वह देश में घूमकर शिक्षा का प्रसार करे।
(घ) असली धनवान शिक्षित व्यक्ति है।

2. (क) द (ख) स
(ग) अ

Page-73

3. (क) ✗ (ख) ✓
(ग) ✗

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

हमारे गुरुजन उम्र तथा अनुभव में हमसे बड़े हैं। वे हमारे पथ-प्रदर्शक के रूप में हमें अच्छी सलाह देते हैं तथा उनके पद-चिह्नों पर चलकर हम अच्छे व्यक्तित्व के साथ-साथ ऊँचा मुकाम भी हासिल कर सकते हैं। अतः हमें उनका सम्मान तथा आज्ञा का पालन अवश्य करना चाहिए।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) जूते (ख) पौधा
(ग) बकरियाँ (घ) ताला
(ङ) फूलों

Page-74

2. (क) अज्ञानी, जड़ बुद्धि
(ख) तरु, पेड़ (ग) सरोवर, जलाशय
(घ) कानन, वन (ङ) खग, विहग

3. (क) सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा में खूब मेहनत की।
(ख) कुंभ के मेले में कई साधुओं ने एक साथ गंगा स्नान किया।
(ग) हमें बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।
(घ) हमें प्रतिदिन अपने शरीर की साफ़-सफ़ाई करनी चाहिए।

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

12 ओणम

(अभ्यास-उत्तर)

Page-78 (मौखिक)

(क) ओणम केरल राज्य में मनाया जाता है।

(ख) केरल की राजधानी का नाम तिरुवनंतपुरम है।

(ग) ओणम के दिन 'नौका दौड़' प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

(लेखनी)

1. (क) महाबलि प्राचीन काल के एक राजा थे जो अत्यंत पराक्रमी, धर्मपरायण तथा दानशील थे।

(ख) वामन वेशधारी ब्राह्मण ने अपनी तपस्या के लिए तीन पग भूमि माँगी।

(ग) ओणम का त्योहार लगभग दीपावली के त्योहार के समान ही मनाया जाता है।

(घ) महाबलि ने वामन ब्राह्मण से वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने का वरदान माँगा।

Page-79

2. (क) पराक्रमी (ख) तीन पग
(ग) प्रजा (घ) पुक्कलम

3. (क) अ (ख) ब
(ग) अ

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

इनसान आमतौर पर खुश कम और दुखी ज़्यादा रहता है, क्योंकि मन जीवन में घटी सुखद घटनाओं को जल्दी भूल जाता है और दुखद घटनाओं पर अटका रहता है, जिससे जीवन में नीरसता आ जाती है। इस नीरसता को दूर करने के लिए हमारे ऋषियों ने समय-समय पर धर्म के साथ उत्सव को जोड़ दिया, ताकि परेशान मन खुश हो जाए।

आज के भाग-दौड़ भरे जीवन में इन्हीं त्योहारों के कारण पूरा परिवार इकट्ठा होकर खुशियाँ मनाता है। अगर ये त्योहार न होते तो जीवन एक-समान हो जाता। त्योहार पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता में योगदान देते हैं। त्योहारों के माध्यम से संवेदनाएँ एवं परस्पर मेल के द्वारा मानवीय भावनाएँ पुनर्जीवित हो उठती हैं। इसके अतिरिक्त पारिवारिक संस्कारों का बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है तथा उन्हें अपनी संस्कृति को जानने व समझने का अवसर प्राप्त होता है। इसलिए हम त्योहार मनाना चाहते हैं।

Page-80

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) कुशल (ख) विशेष
(ग) सुंदर (घ) महाबलि

2. (क) रानी (ख) देवी
(ग) भगवती (घ) स्त्री
(ङ) बच्चियाँ (च) घोड़ी

3. (क) पट, वस्त्र (ख) बरखा, बरसात
(ग) वार, दिवस (घ) भवन, गृह

4. (क) फूल, मित्र, ओणम, बच्चे, देश, नौका, राजा।

Page-81

(मन की बात)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

1. ईद 2. दशहरा
3. दीवाली 4. क्रिसमिस के सेंटाक्लास

13 मॉरीशस की सैर

(अभ्यास-उत्तर)

Page-86 (मौखिक)

(क) चाचू बच्चों के लिए ढेर सारी टॉफ़ी और खिलौने लेकर आए थे।

(ख) मॉरीशस की राजधानी का नाम पोर्ट लुई है।

(ग) मॉरिशस की आधिकारिक भाषा क्रेयोल है।

(घ) दोनों बच्चे चाचू को अचरजभरी दृष्टि से देख रहे थे।

(लेखनी)

1. (क) मॉरीशस हिंद महासागर के पूर्व में स्थित है।

(ख) मॉरीशस की आबादी 12.51 लाख है तथा वहाँ पर हिंदू, ईसाई और इसलाम धर्म के लोग निवास करते हैं।

(ग) मॉरीशस में पेरी-बेरी ग्रांडबाई तथा ब्लू-वे जैसे खूबसूरत बीच हैं।

(घ) मॉरीशस में जुलाई और अगस्त के महीने घूमने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हैं।

Page-87

2. (क) उदास (ख) पोर्ट लुई
(ग) तेईस (घ) जुलाई, अगस्त
(ङ) स्वादिष्ट

3. (क) गलत (ख) सही
(ग) सही (घ) गलत
(ङ) सही

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-88

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) इमारतें (ख) आँख
(ग) छुट्टियाँ (घ) शाखाएँ
(ङ) बच्चा (च) स्थिति

2. (क) र् + अं + ग् + अ
(ख) ब् + इ + र् + अं + ग् + ई
(ग) ब् + आ + ज़् + आ + र् + अ
(घ) म् + आ + ल् + आ

3. (क) फूलों, सुगंध
(ख) बच्चे, मॉरीशस
(ग) रसगुल्ले, मिठास
(घ) बच्चे, खुश
(ङ) रोहन, उदास

4. (क) क्या, आप, मेरी
(ख) मैं, स्वयं
(ग) जिसकी, उसकी
(घ) कोई (ङ) कौन

Page-89 (मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

14 मेहनत की कमाई

(अभ्यास-उत्तर)

Page-91 (मौखिक)

(क) बढ़ई लालो ने गुरु नानकदेव तथा उनके शिष्यों की सेवा की।

(ख) गुरु नानकदेव तथा उनके शिष्य धर्म-उपदेश देते हुए भूखे पेट भोजन ग्रहण करने के उद्देश्य से बस्ती में पहुँचे।

(ग) लालो गरीब बढ़ई तथा नेक दिल व्यक्ति था, जिसने अपनी गरीबी की हालत में भी गुरु नानकदेव तथा उनके सभी शिष्यों को अपने घर में भोजन के लिए आमंत्रित किया।

Page-92 (लेखनी)

1. (क) गुरु नानक ने भागो सेठ की कमाई को गरीब के शोषण की कमाई बताया।

(ख) भागो सेठ ने नगर में भोज का आयोजन किया था।

(ग) लालो बढ़ई की रोटी से दूध की धार इसलिए बह निकली क्योंकि उसकी कमाई मेहनत की थी।

2. (क) ✓ (ख) ✗
(ग) ✓ (घ) ✓

3. (क) सुबह (ख) नगर
(ग) रोटियाँ (घ) शोषण, मेहनत

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-93 (जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. क. (iii) ख. (v)
ग. (iv) घ. (i)
ङ. (ii)

2. (क) रात (ख) अँधेरा
(ग) कुरूप (घ) बाहर

Page-94

3. (क) पौधे (ख) महिलाएँ
(ग) चिड़ियाँ (घ) घड़ियाँ

4. (क) जाता है (ख) नाचता है
(ग) दौड़ता है (घ) रही

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-95 (हँसते-गाते)

(क) धन्यवाद (ख) नमस्ते
(ग) धन्यवाद